Result Mitra
दैनिक जागरण
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
दैनिक भास्कर
THE HINDU
जनसत्ता
Daily
CURRENT
AFFAIRS
IAS/PCS
अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान
07 January

Quote of the Day

Result Mitra

मंजिल पाने की उम्मीद
कभी मत छोड़िए,
क्योंकि सूरज डूबने के बाद ही
दुबारा सवेरा होता है।

Result Mitra

6 जनवरी

विश्व युद्ध अनाथ दिवस

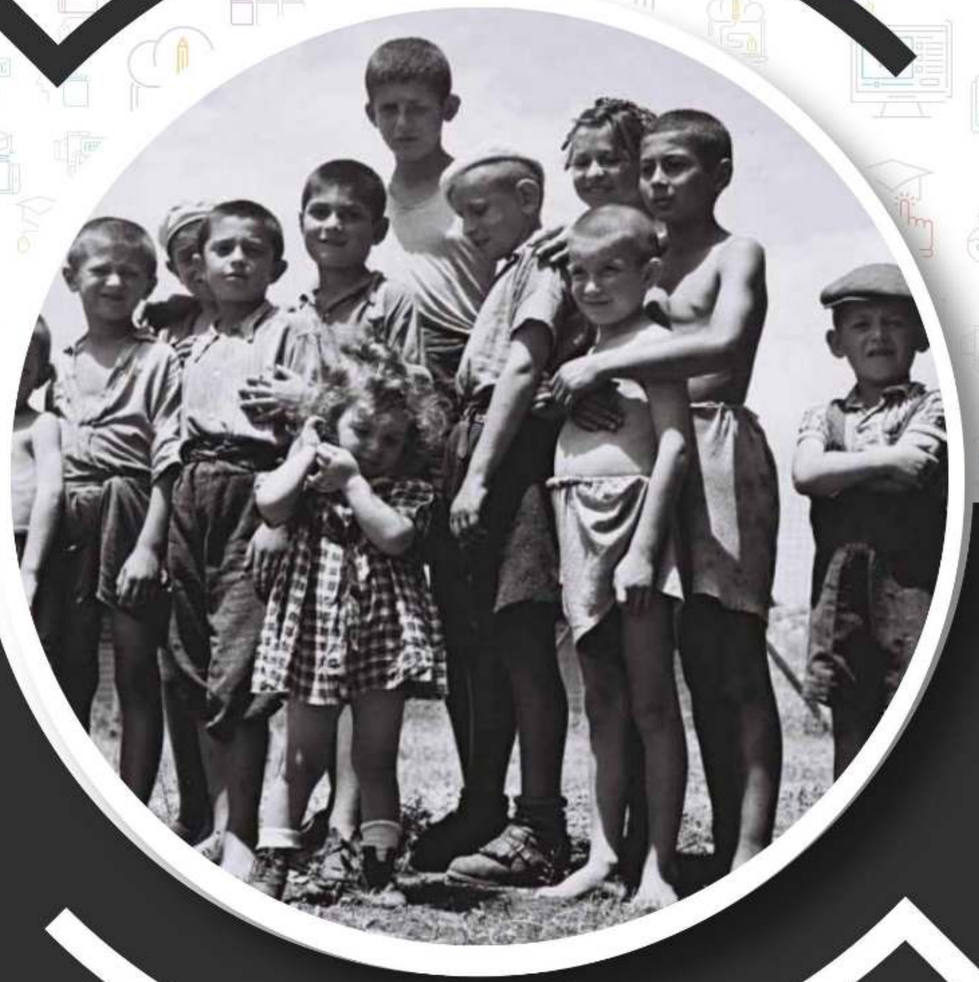

विश्व युद्ध अनाथ दिवस

Result Mitra

- विश्व युद्ध अनाथ दिवस हर वर्ष 6 जनवरी को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य युद्धों और संघर्षों के कारण अनाथ हुए बच्चों की दुर्दशा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।
- इस दिन, विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं ताकि इन बच्चों द्वारा सहन किए गए आघात के बारे में समाज में संवेदनशीलता उत्पन्न हो सके।

14 करोड़ बच्चे अनाथ

विश्व युद्ध अनाथ दिवस

Result Mitra

- यूनिसेफ के अनुसार, वर्तमान में विश्वभर में लगभग 14 करोड़ बच्चे अनाथ हैं, जिनमें से बड़ी संख्या युद्धों और संघर्षों के परिणामस्वरूप अपने माता-पिता को खो चुकी है।
- इन बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और सुरक्षित आवास जैसी बुनियादी सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ता है, जिससे उनका भविष्य अंधकारमय हो सकता है।

विश्व युद्ध अनाथ दिवस

Result Mitra

- इस दिवस की स्थापना फ्रांस के एसओएस एनफैंट्स एन डिट्रेसेस नामक संगठन ने की थी, ताकि युद्धों के कारण अनाथ हुए बच्चों की स्थिति पर वैश्विक ध्यान आकर्षित किया जा सके। यह दिन हमें याद दिलाता है कि युद्धों का सबसे बड़ा खामियाजा मासूम बच्चों को भुगतना पड़ता है, और हमें उनके पुनर्वास और समर्थन के लिए ठोस कदम उठाने की आवश्यकता है।

विश्व युद्ध अनाथ दिवस

Result Mitra

- विश्व युद्ध अनाथ दिवस के अवसर पर, विभिन्न संगठनों और सरकारों द्वारा अनाथ बच्चों के पुनर्वास, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं के प्रबंध के लिए प्रयास किए जाते हैं। यह दिन हमें प्रेरित करता है कि हम इन बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट हों और उन्हें सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य प्रदान करने में सहयोग करें।

इतिहास और आंकड़ा

- फ्रांस के एसओएस एनफैंट्स एन डिट्रेसेस नामक संगठन ने विश्व युद्ध अनाथ दिवस की स्थापना की। ऐसे बच्चों के लिए संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (UNICEF) ही मुख्य सहारा है। यूनिसेफ के अनुसार पूर्वोत्तर देशों में ऐसे लगभग 9,00,000 बच्चे हैं, जो युद्ध से गंभीर रूप से प्रभावित हुए हैं। इसके बाद उन्हें शिक्षा, आवास, भोजन और शारीरिक क्षति से गुजरना पड़ा है।

इतिहास और आंकड़ा

- मौजूदा वक्त में ऐसे अनाथों की संख्या अनुमानित आंकड़ों के अनुसार 150 मिलियन तक है, इनमें 52 मिलियन अफ्रीका में 10 मिलियन कैरेबियन और लैटिन अमेरिका में 63 मिलियन एशिया में 10 से 12 मिलियन मध्य एशिया और पूर्वी यूरोप में शामिल हैं। 95 प्रतिशत मामलों में सभी अनाथ बच्चों की उम्र 5 वर्ष के आसपास है। रूस-यूक्रेन युद्ध और इजरायल-हमास युद्ध के बाद ये आंकड़ा और बढ़ा है।

रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास युद्ध

- युद्ध की ताजा घटनाओं मे रूस-यूक्रेन युद्ध, इजरायल-हमास युद्ध इसके ज्वलंत उदाहरण हैं। इन युद्धों में लाखों बच्चों ने अपने माता-पिता दोनों को या तो इनमें से किसी एक को खो दिया है। बहुत से बच्चे अपाहिज और अपंग भी हो चुके हैं।

Result Mitra

रूस-यूक्रेन और इजरायल-हमास युद्ध

- अब इन बच्चों की जिंदगी को आगे बढ़ाना, उन्हें सदमे से उबारना, युद्ध की भयावह यादों को मिटाना, उन्हें खुशियों की नई दुनिया में ले जाना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं है। मगर अब संयुक्त राष्ट्र की यूनिसेफ जैसी संस्थाएं और तमाम एनजीओ युद्धग्रस्त बच्चों की जिंदगी को फिर से पटरी पर लाने के लिए हर उपाय कर रहे हैं।

Result Mitra

यूनिसेफ़

- यूनिसेफ़ का फ़ुल फ़ॉर्म है - संयुक्त राष्ट्र बाल कोष. यह संयुक्त राष्ट्र का एक कार्यक्रम है, जिसकी स्थापना 11 दिसबर, 1946 को हुई थी. द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, बच्चों और माताओं को आपातकालीन भोजन और स्वास्थ्य सेवाएं देने के लिए इसकी स्थापना की गई थी.
- पहले इसका नाम संयुक्त राष्ट्र अंतर्राष्ट्रीय बाल आपातकालीन निधि था, लेकिन बाद में इसका नाम संयुक्त राष्ट्र बाल निधि कर दिया गया. हालांकि, इसका संक्षिप्त नाम यूनिसेफ़ ही बना रहा.

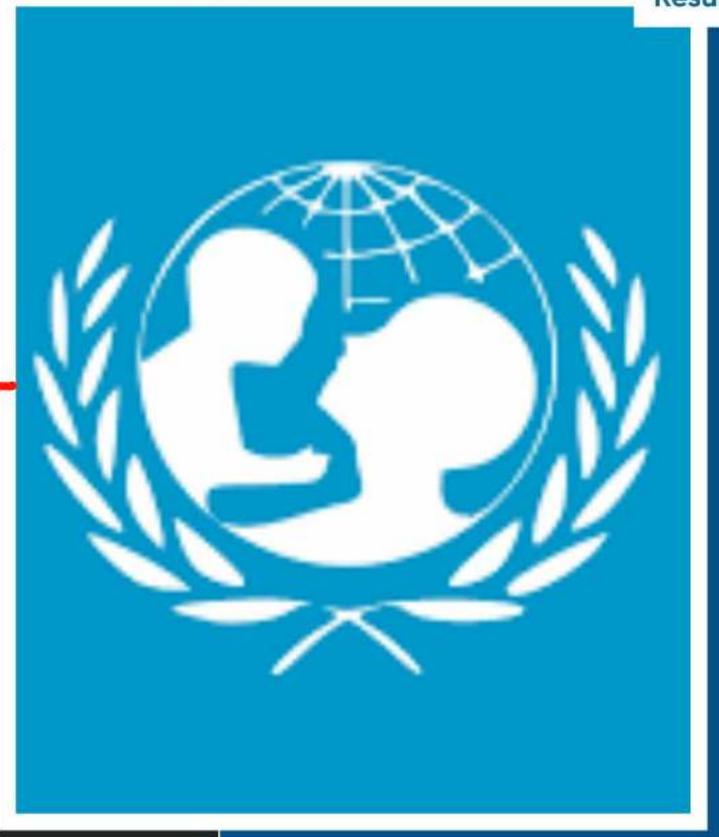

Result Mitra

यूनिसेफ़

यूनिसेफ़ के बारे में कुछ और खास बातें:

- यूनिसेफ़ के मुख्यालय न्यूयॉर्क में हैं.
- यूनिसेफ़ के वर्तमान मुखिया ऐन वेनेमन हैं.
- यूनिसेफ़ के कामों की देखरेख के लिए 36 सदस्यों का कार्यकारी दल होता है.

Result Mitra

यूनिसेफ़

यूनिसेफ़ के बारे में कुछ और खास बातें:

- यूनिसेफ़ के सप्लाई प्रभाग का कार्यालय डेनमार्क के कोपनहेगन में है.
- यूनिसेफ़ को 1965 में शांति के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार और 1989 में इंदिरा गांधी शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था.
- यूनिसेफ़ का मकसद बच्चों के कल्याण के साथ-साथ उनके स्वास्थ्य, पोषण, और शिक्षा को बढ़ाना है.

Result Mitra

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

1. विश्व युद्ध अनाथ दिवस हर वर्ष 6 जनवरी को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य युद्धों और संघर्षों के कारण अनाथ हुए बच्चों की दुर्दशा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

2. यूनिसेफ़ का मुख्यालय कोपनहेगन, डेनमार्क में है।

3. फ्रांस के एसओएस एनफैंट्स एन डिट्रेसेस संगठन ने विश्व युद्ध अनाथ दिवस की स्थापना की।

कूट:

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 2 और 3

(C) केवल 1 और 3

(D) 1, 2 और 3

Result Mitra

बर्ड फ्लू का कहर और बाघों की मौत क्या वापस पैर पसार रहा बर्ड फ्लू

बर्ड फ्लू का कहर और बाघों की मौत क्या वापस पैर पसार रहा बर्ड फ्लू

Result Mitra

- हाल ही में, महाराष्ट्र के नागपुर स्थित गोरेवाड़ा रेस्क्यू सेंटर में बर्ड फ्लू (H5N1 वायरस) के कारण तीन बाघों और एक तेंदुए की मृत्यु हुई है।
- यह भारत में बर्ड फ्लू से बड़ी बिल्लियों की मृत्यु का पहला मामला माना जा रहा है, जिससे चिड़ियाघरों और वन्यजीव अभयारण्यों में रेड अलर्ट जारी किया गया है।

बर्ड फ्लू का कहर और बाघों की मौत क्या वापस पैर पसार रहा बर्ड फ्लू

Result Mitra

- विशेषज्ञों के अनुसार, H5N1 वायरस अत्यधिक रोगजनक एवियन इन्फ्लूएंजा है, जो पक्षियों से स्तनधारियों में फैल सकता है। इस घटना ने वन्यजीव संरक्षण और स्वास्थ्य अधिकारियों के बीच चिंता बढ़ा दी है, क्योंकि यह वायरस जानवरों के इम्यून सिस्टम पर गंभीर प्रभाव डालता है।

बर्ड फ्लू का कहर और बाघों की मौत क्या वापस पैर पसार रहा बर्ड फ्लू

Result Mitra

- इस स्थिति को देखते हुए, चिड़ियाघरों और वन्यजीव अभयारण्यों में निगरानी बढ़ा दी गई है, और संक्रमित क्षेत्रों में स्वच्छता और सुरक्षा उपायों को सख्ती से लागू किया जा रहा है।
- साथ ही, वन्यजीवों के स्वास्थ्य की नियमित जांच और बर्ड फ्लू के लक्षणों की पहचान के लिए विशेष टीमें तैनात की गई हैं।

बर्ड फ्लू का कहर और बाघों की मौत क्या वापस पैर पसार रहा बर्ड फ्लू

Result Mitra

- बर्ड फ्लू के पुनः प्रसार की आशंका को देखते हुए, पशुपालन विभाग और स्वास्थ्य मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे सतर्क रहें और किसी भी असामान्य पक्षी या जानवर की मृत्यु की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें। साथ ही, पोल्ट्री उत्पादों के उपभोग से पहले उचित पकाने और स्वच्छता का ध्यान रखने की सलाह दी गई है।

H5N1 क्या है?

- H5N1 कई इन्फ्लूएंजा वायरस में से एक है जो पक्षियों में एवियन इन्फ्लूएंजा (या "बर्ड फ्लू") नामक एक अत्यधिक संक्रामक श्वसन रोग का कारण बनता है। मनुष्यों सहित स्तनधारियों में भी संक्रमण का दस्तावेजीकरण किया गया है।
- H5N1 इन्फ्लूएंजा वायरस संक्रमण मनुष्यों में कई तरह की बीमारियों का कारण बन सकता है, हल्के से लेकर गंभीर तक और कुछ मामलों में, यह घातक भी हो सकता है।

Result Mitra

H5N1 क्या है?

- रिपोर्ट किए गए लक्षण मुख्य रूप से श्वसन संबंधी रहे हैं, लेकिन नेत्रश्लेष्मलाशोथ और अन्य गैर-श्वसन लक्षण भी रिपोर्ट किए गए हैं। ऐसे व्यक्तियों में A(H5N1) वायरस का कुछ पता भी चला है जो संक्रमित जानवरों या उनके वातावरण के संपर्क में आए थे, लेकिन जिनमें कोई लक्षण नहीं दिखे।

Result Mitra

H5N1 क्या है?

- H5N1 एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस का गूज/गुआंगडोंग-वंश पहली बार 1996 में सामने आया और तब से पक्षियों में प्रकोप पैदा कर रहा है। 2020 से, इन वायरस के एक प्रकार ने कई देशों में जंगली पक्षियों और मुर्गियों में अभूतपूर्व संख्या में मौतें की हैं।
- सबसे पहले अफ्रीका, एशिया और यूरोप को प्रभावित करते हुए, 2021 में, यह वायरस उत्तरी अमेरिका में फैल गया, और 2022 में, मध्य और दक्षिण अमेरिका में फैल गया।

Result Mitra

H5N1 क्या है?

- 2022 से, स्तनधारियों में इन्फ्लूएंजा ए (एच5) - जिसमें इन्फ्लूएंजा ए (एच5एन1) - वायरस भी शामिल है, के कारण होने वाले घातक प्रकोपों की रिपोर्टें बढ़ रही हैं। ऐसे और भी प्रकोप होने की संभावना है जिनका पता नहीं लगाया गया है या जिनकी रिपोर्ट नहीं की गई है।
- भूमि और समुद्री दोनों स्तनधारी प्रभावित हुए हैं, जिनमें फ़ार्म वाले फ़र वाले जानवर, सील, समुद्री शेर और अन्य जंगली और पालतू जानवर जैसे लोमड़ी, भालू, ऊदबिलाव, रैकून, बिल्लियाँ, कुत्ते, गाय, बकरी और अन्य शामिल हैं।

Result Mitra

H5N1 वायरस लोगों में कैसे फैलता है?

- लोगों में H5N1 वायरस संक्रमण के लगभग सभी मामले संक्रमित जीवित या मृत पक्षियों, या H5N1-दूषित वातावरण, उदाहरण के लिए जीवित पक्षी बाज़ारों के साथ निकट संपर्क से जुड़े हुए हैं। संक्रमित स्तनधारियों से मनुष्यों में फैलने के कुछ मामले भी सामने आए हैं।
- हालाँकि ऐसे कुछ मामले हो सकते हैं जिनका पता नहीं लगाया गया हो, लेकिन वर्तमान ज्ञान और समझ के आधार पर ऐसा नहीं लगता कि वायरस आसानी से मनुष्यों को संक्रमित कर सकता है या एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है।

Result Mitra

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

1. हाल ही में, महाराष्ट्र के नागपुर स्थित गोरेवाड़ा रेस्क्यू सेंटर में बर्ड फ्लू (H5N1 वायरस) के कारण तीन बाघों और एक तेंदुए की मृत्यु हुई है।

2. H5N1 वायरस केवल पक्षियों में संक्रमण फैलाता है और स्तनधारियों में इसका संक्रमण असंभव है।

3. H5N1 वायरस के संक्रमण के अधिकांश मामले संक्रमित पक्षियों या दूषित वातावरण के संपर्क से जुड़े हुए हैं।

कूट:

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 1 और 3

(C) केवल 2 और 3

(D) 1, 2 और 3

Result Mitra

पतंजलि के 30 वर्ष और विश्व में योग का प्रसार

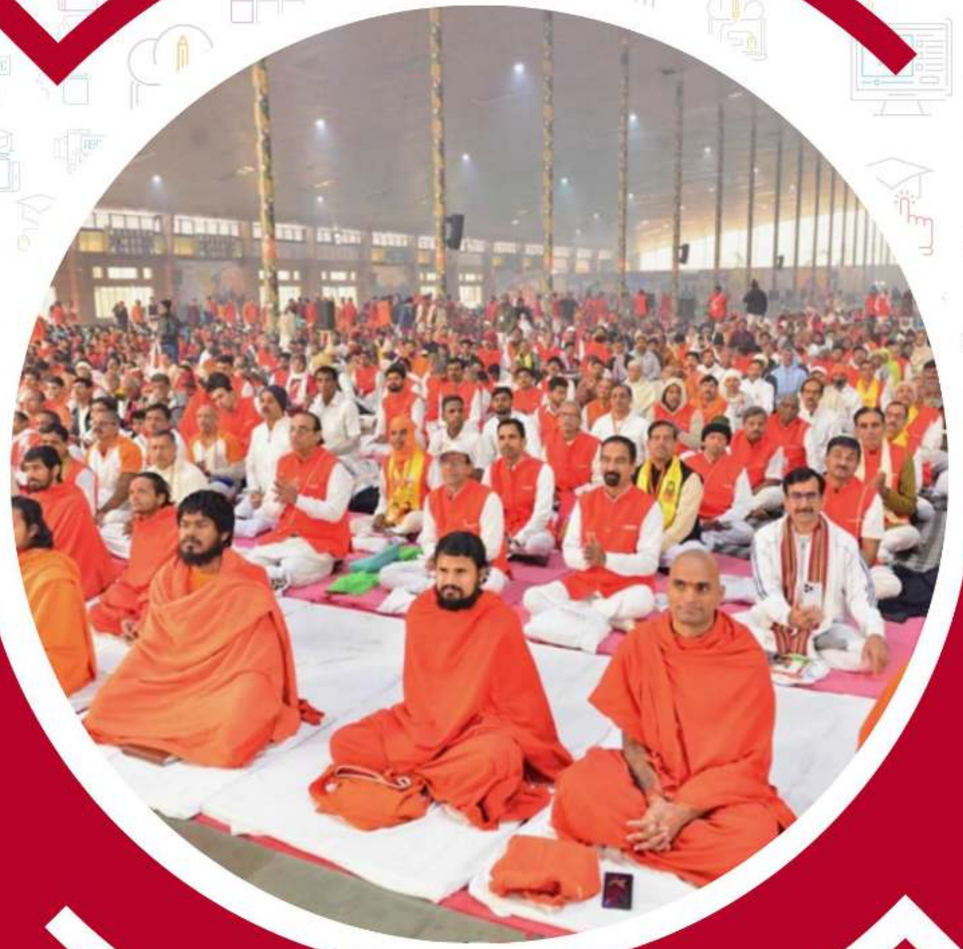

पतंजलि के 30 वर्ष और विश्व में योग का प्रसार

Result Mitra

- पतंजलि योगपीठ ने अपनी स्थापना के 30 वर्ष पूरे कर लिए हैं, और इस अवसर पर स्वामी रामदेव ने हरिद्वार में आयोजित एक भव्य समारोह में पांच प्रमुख क्रांतियों की घोषणा की।

पतंजलि के 30 वर्ष और विश्व में योग का प्रसार

1. शिक्षा क्रांति:

- स्वामी रामदेव ने भारतीय शिक्षा प्रणाली में सुधार की आवश्यकता पर बल देते हुए अगले पांच वर्षों में पांच लाख स्कूलों को भारतीय शिक्षा बोर्ड से जोड़ने का लक्ष्य निर्धारित किया है।
- इस पहल का उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति, वेद, उपनिषद और देश के गौरवशाली इतिहास से अवगत कराना है, जिससे उनका सर्वांगीण विकास हो सके।

पतंजलि के 30 वर्ष और विश्व में योग का प्रसार

2. स्वास्थ्य क्रांति:

- पतंजलि वेलनेस, योगग्राम, निरामयम और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से योग और आयुर्वेद के प्रसार द्वारा लोगों को बीमारियों से मुक्त करने का संकल्प लिया गया है।
- स्वामी रामदेव ने बताया कि पतंजलि ने अब तक अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में 5000 से अधिक अनुसंधान प्रोटोकॉल और 500 से अधिक अनुसंधान पत्र प्रकाशित किए हैं, जो स्वास्थ्य सेवाओं में क्रांतिकारी बदलाव का संकेत हैं।

Result Mitra

पतंजलि के 30 वर्ष और विश्व में योग का प्रसार

3. आर्थिक स्वतंत्रता:

- स्वामी रामदेव ने स्वदेशी आंदोलन को मजबूत करने और भारत को आर्थिक शोषण, गुलामी और गरीबी से मुक्त कराने का आह्वान किया है।
- उन्होंने बताया कि पतंजलि ने अब तक शिक्षा, स्वास्थ्य, अनुसंधान, चरित्र निर्माण और राष्ट्र निर्माण जैसे क्षेत्रों में 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक का दान दिया है।

Result Mitra

पतंजलि के 30 वर्ष और विश्व में योग का प्रसार

4. बौद्धिक और सांस्कृतिक स्वतंत्रता:

- पतंजलि का मिशन भारत को बौद्धिक और सांस्कृतिक गुलामी से मुक्त कराना है।
- स्वामी रामदेव ने कहा कि पतंजलि हिंदी, अंग्रेजी और संस्कृत में दुनियाभर के ज्ञान को शामिल करेगी, लेकिन 80% पाठ्यक्रम वेद, दर्शन, उपनिषद, पुराण और भारत के गौरव पर केंद्रित होगा।

पतंजलि के 30 वर्ष और विश्व में योग का प्रसार

5. नशा, बीमारियों और मानसिक पीड़ाओं से मुक्ति:

- स्वामी रामदेव ने समाज को नशे की लत, बीमारियों और मानसिक पीड़ाओं से मुक्त कराने का संकल्प लिया है। उन्होंने कहा कि जीवन बर्बाद होता है और पतंजलि इसे बचाने के लिए प्रतिबद्ध है।
- पतंजलि के 30 वर्ष पूरे होने पर हमारा संकल्प विश्व को योग-केंद्रित बनाना तथा चरित्र विकास के माध्यम से आदर्श वैश्विक नागरिक तैयार करना है।

पतंजलि के 30 वर्ष और विश्व में योग का प्रसार

- इन पांच क्रांतियों के माध्यम से पतंजलि का उद्देश्य भारत और विश्व में योग, आयुर्वेद, स्वदेशी उत्पादों और भारतीय शिक्षा प्रणाली का व्यापक प्रसार करना है, जिससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाया जा सके।

Result Mitra

पतंजलि योगपीठ

- पतंजलि योगपीठ, जिसका उद्घाटन 2006 में हुआ था, उत्तर भारत के हरिद्वार में स्थित है। इसकी स्थापना स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने की थी।
- ट्रस्ट का उद्देश्य स्वास्थ्य संवर्धन और उपचार के तरीकों के रूप में योग और आयुर्वेद के प्रचार को बढ़ाना है।

Result Mitra

स्वामी रामदेव

- बाबा रामदेव एक भारतीय आध्यात्मिक नेता और प्रसिद्ध योग शिक्षक हैं। वे टेलीविज़न और अपने सामूहिक योग शिविरों के माध्यम से भारतीयों के बीच योग को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रसिद्ध हैं।
- उनके योग शिविरों में हज़ारों लोग आते हैं। भारत के हरियाणा राज्य में जन्मे रामकृष्ण यादव को बचपन से ही योग में रुचि थी।

Result Mitra

आचार्य बालकृष्ण

- आचार्य बालकृष्ण का जन्म 4 अगस्त 1972 को हरिद्वार में एक नेपाली परिवार में हुआ था, जो भारत आ गया था। हरियाणा के खानपुर गुरुकुल में बाबा रामदेव से उनकी मुलाकात हुई।
- आचार्य बालकृष्ण ने बाबा रामदेव और आचार्य कर्मवीर के साथ 1995 में दिव्य योग मंदिर ट्रस्ट की स्थापना की।

Result Mitra

पतंजलि आयुर्वेद

- सन् 2006 में पतंजलि आयुर्वेद की स्थापना हुई। वर्तमान में पतंजलि आयुर्वेद आयुर्वेदिक औषधियों और विभिन्न खाद्य पदार्थों का उत्पादन करती है।
- भारत के साथ-साथ विदेशों में भी इसकी इकाइयाँ बनाने की योजना है, इस संदर्भ में नेपाल में कार्य प्रारम्भ हो चुका है। पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड पूरी तरह से स्वदेशी (भारतीय) कंपनी है।

Result Mitra

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

1. पतंजलि योगपीठ की स्थापना 2006 में स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण ने की थी।

2. पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड एक बहुराष्ट्रीय कंपनी है और यह स्वदेशी उत्पादों के साथ विदेशी निवेश पर आधारित है।

3. पतंजलि का मिशन भारत को बौद्धिक, सांस्कृतिक, और आर्थिक गुलामी से मुक्त कराना है।

कूट:

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 1 और 3

(C) केवल 2 और 3

(D) 1, 2 और 3

Result Mitra

भारत के सबसे स्वच्छ शहर में भोपाल त्रासदी का कचरा जलाना कहां तक उचित

भारत के सबसे स्वच्छ शहर में भोपाल त्रासदी का कचरा जलाना कहां तक उचित

Result Mitra

- भोपाल गैस त्रासदी के बाद यूनियन कार्बाइड संयंत्र में बचे हुए जहरीले कचरे को इंदौर के पास पीथमपुर में जलाने की योजना पर विवाद उत्पन्न हुआ है।
- इस कचरे के निपटान को लेकर मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई, जिसमें सरकार ने शपथ पत्र प्रस्तुत किया। अदालत ने निर्देश दिया कि जब तक सभी संबंधित पक्ष सहमत नहीं होते, तब तक कचरा जलाने की प्रक्रिया शुरू नहीं की जाएगी।

भारत के सबसे स्वच्छ शहर में भोपाल त्रासदी का कचरा जलाना कहां तक उचित

Result Mitra

- विशेषज्ञों का मानना है कि इस जहरीले कचरे के जलने से कैंसर सहित गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है, जिससे स्थानीय जनसंख्या, विशेषकर बच्चों, पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।
- हालांकि, 40 साल बाद, भारी सुरक्षा के बीच इस कचरे को यूनियन कार्बाइड फैक्टरी से हटाकर पीथमपुर ले जाया गया है, और इसके निपटान के लिए विस्तृत योजना बनाई गई है।

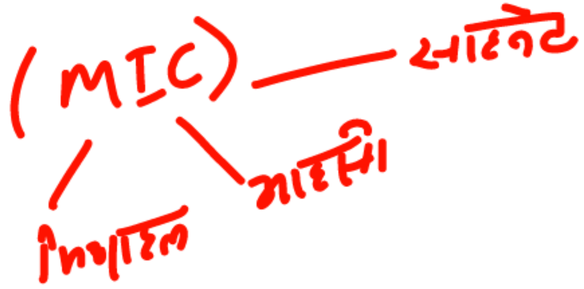

भारत के सबसे स्वच्छ शहर में भोपाल त्रासदी का कचरा जलाना कहां तक उचित

- इस संदर्भ में, इंदौर, जो लगातार भारत के सबसे स्वच्छ शहरों में शुमार है, में इस जहरीले कचरे को जलाना उचित नहीं माना जा रहा है। स्थानीय निवासियों और पर्यावरणविदों ने इस निर्णय पर आपत्ति जताई है, क्योंकि इससे शहर की स्वच्छता और पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।
- भोपाल गैस त्रासदी क्या थी

भारत के सबसे स्वच्छ शहर में भोपाल त्रासदी का कचरा जलाना कहां तक उचित

Result Mitra

- इस संदर्भ में, इंदौर, जो लगातार भारत के सबसे स्वच्छ शहरों में शुमार है, में इस जहरीले कचरे को जलाना उचित नहीं माना जा रहा है।
- स्थानीय निवासियों और पर्यावरणविदों ने इस निर्णय पर आपत्ति जताई है, क्योंकि इससे शहर की स्वच्छता और पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

भोपाल गैस त्रासदी क्या थी ?

- 2 दिसंबर, 1984 की रात को, यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) के कीटनाशक कारखाने से रसायन, मिथाइल आइसोसाइनेट (एमआईसी) ने भोपाल शहर को एक विशाल गैस चैंबर में बदल दिया। यह भारत की पहली बड़ी औद्योगिक आपदा थी।
- कम से कम 30 टन मिथाइल आइसोसाइनेट गैस ने 15,000 से अधिक लोगों की जान ले ली और 600,000 से अधिक श्रमिकों को प्रभावित किया। भोपाल गैस त्रासदी को दुनिया की सबसे भीषण औद्योगिक त्रासदी के रूप में जाना जाता है।

Result Mitra

भोपाल गैस त्रासदी क्या थी ?

त्रासदी से पहले खतरे की घंटी

- 1969 में, यूसीआईएल कारखाने को एक मध्यवर्ती के रूप में मिथाइल आइसोसाइनेट का उपयोग करके सेविन (एक कीटनाशक) का उत्पादन करने के लिए बनाया गया था। 1976 में, भोपाल में ट्रेड यूनियनों ने संयंत्र के भीतर प्रदूषण की शिकायत की।

Result Mitra

भोपाल गैस त्रासदी क्या थी ?

त्रासदी से पहले खतरे की घंटी

- कुछ साल बाद, एक कार्यकर्ता ने गलती से बड़ी मात्रा में जहरीली फॉस्जीन गैस को साँस में ले लिया, जिससे कुछ घंटों बाद उसकी मृत्यु हो गई। घटनाओं को देखते हुए, एक पत्रकार ने संयंत्र की जांच शुरू की और भोपाल के स्थानीय पत्र में अपने निष्कर्ष भी प्रकाशित किए, जिसमें कहा गया था - 'भोपाल के जागो लोगों, आप ज्वालामुखी के किनारे पर हैं'।

Result Mitra

भोपाल गैस त्रासदी क्या थी ?

त्रासदी से पहले खतरे की घंटी

- भोपाल में त्रासदी आने से दो साल पहले, फॉस्जीन के संपर्क में आने वाले लगभग 45 श्रमिकों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 1983 और 1984 के बीच, फॉस्जीन, कार्बन टेट्राक्लोराइड, मिथाइल आइसोसाइनेट और मोनो मिथाइलमाइन के रिसाव थे।

Result Mitra

भोपाल गैस त्रासदी क्या थी ?

मिथाइल आइसोसाइनेट का रिसाव कैसे हुआ

- यूनियन कार्बाइड इंडिया के भोपाल संयंत्र में तीन 68,000 लीटर तरल एमआईसी भंडारण टैंक रखे गए हैं: ई610, ई611 और ई619। त्रासदी से महीनों पहले, एमआईसी उत्पादन प्रगति पर था और टैंकों में भरा जा रहा था।
- किसी भी टैंक को उसकी क्षमता के 50% से अधिक भरने की अनुमति नहीं थी और टैंक को निष्क्रिय नाइट्रोजन गैस से दबाया गया था।

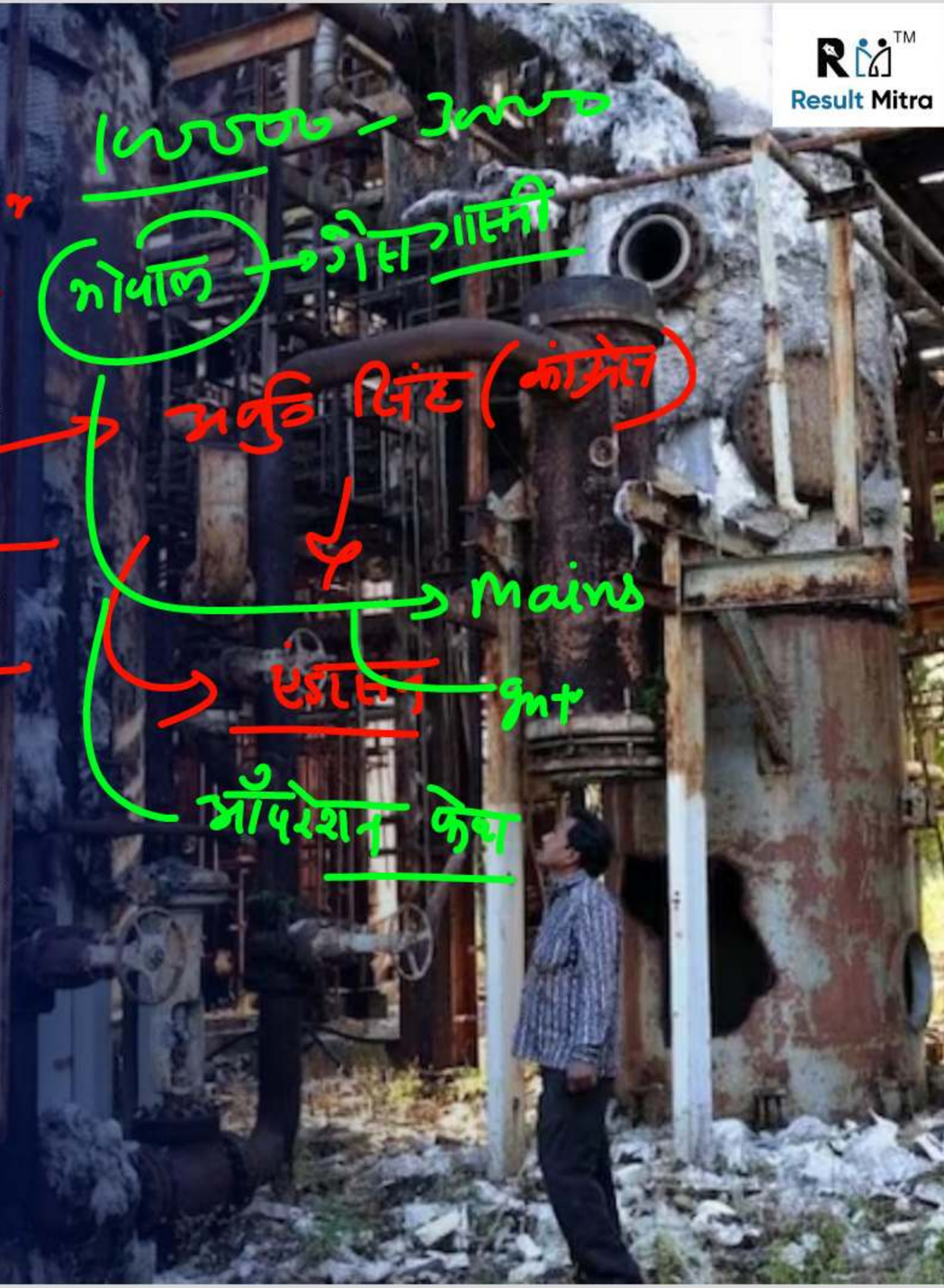

Result Mitra

भोपाल गैस त्रासदी क्या थी ?

मिथाइल आइसोसाइनेट का रिसाव कैसे हुआ

- दबाव ने तरल एमआईसी को प्रत्येक टैंक से बाहर पंप करने की अनुमति दी। हालांकि, टैंकों में से एक (E610) ने नाइट्रोजन गैस के दबाव को रोकने की क्षमता खो दी, इसलिए तरल एमआईसी को इससे बाहर नहीं निकाला जा सका।
- नियमानुसार प्रत्येक टैंक में 30 टन से अधिक तरल एमआईसी नहीं भरा जा सकता था।

Result Mitra

भोपाल गैस त्रासदी क्या थी ?

मिथाइल आइसोसाइनेट का रिसाव कैसे हुआ

- लेकिन इस टैंक में 42 टन था। इस विफलता ने यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को भोपाल में मिथाइल आइसोसाइनेट का उत्पादन रोकने के लिए बाध्य किया और संयंत्र को रखरखाव के लिए आंशिक रूप से बंद कर दिया गया।
- 1 दिसंबर को दोषपूर्ण टैंक को फिर से कार्यात्मक बनाने का प्रयास किया गया था, लेकिन प्रयास विफल रहा। तब तक, संयंत्र के अधिकांश मिथाइल आइसोसाइनेट संबंधित सुरक्षा प्रणालियां खराब हो गई थीं।

Result Mitra

भोपाल गैस त्रासदी क्या थी ?

मिथाइल आइसोसाइनेट का रिसाव कैसे हुआ

- लेकिन इस टैंक में 42 टन था। इस विफलता ने यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड को भोपाल में मिथाइल आइसोसाइनेट का उत्पादन रोकने के लिए बाध्य किया और संयंत्र को रखरखाव के लिए आंशिक रूप से बंद कर दिया गया।
- 1 दिसंबर को दोषपूर्ण टैंक को फिर से कार्यात्मक बनाने का प्रयास किया गया था, लेकिन प्रयास विफल रहा। तब तक, संयंत्र के अधिकांश मिथाइल आइसोसाइनेट संबंधित सुरक्षा प्रणालियां खराब हो गई थीं।

Result Mitra

भोपाल गैस त्रासदी क्या थी ?

मिथाइल आइसोसाइनेट का रिसाव कैसे हुआ

- खबरों के मुताबिक, 2 दिसंबर की शाम तक खराब टैंक में पानी घुस गया था, जिसके परिणामस्वरूप केमिकल रिएक्शन हुआ था। टैंक में दबाव रात तक पांच गुना बढ़ गया।
- आधी रात तक, एमआईसी क्षेत्र में श्रमिकों ने एमआईसी गैस के प्रभाव को महसूस करना शुरू कर दिया। रिसाव को संबोधित करने का निर्णय कुछ मिनट बाद किया जाना था।

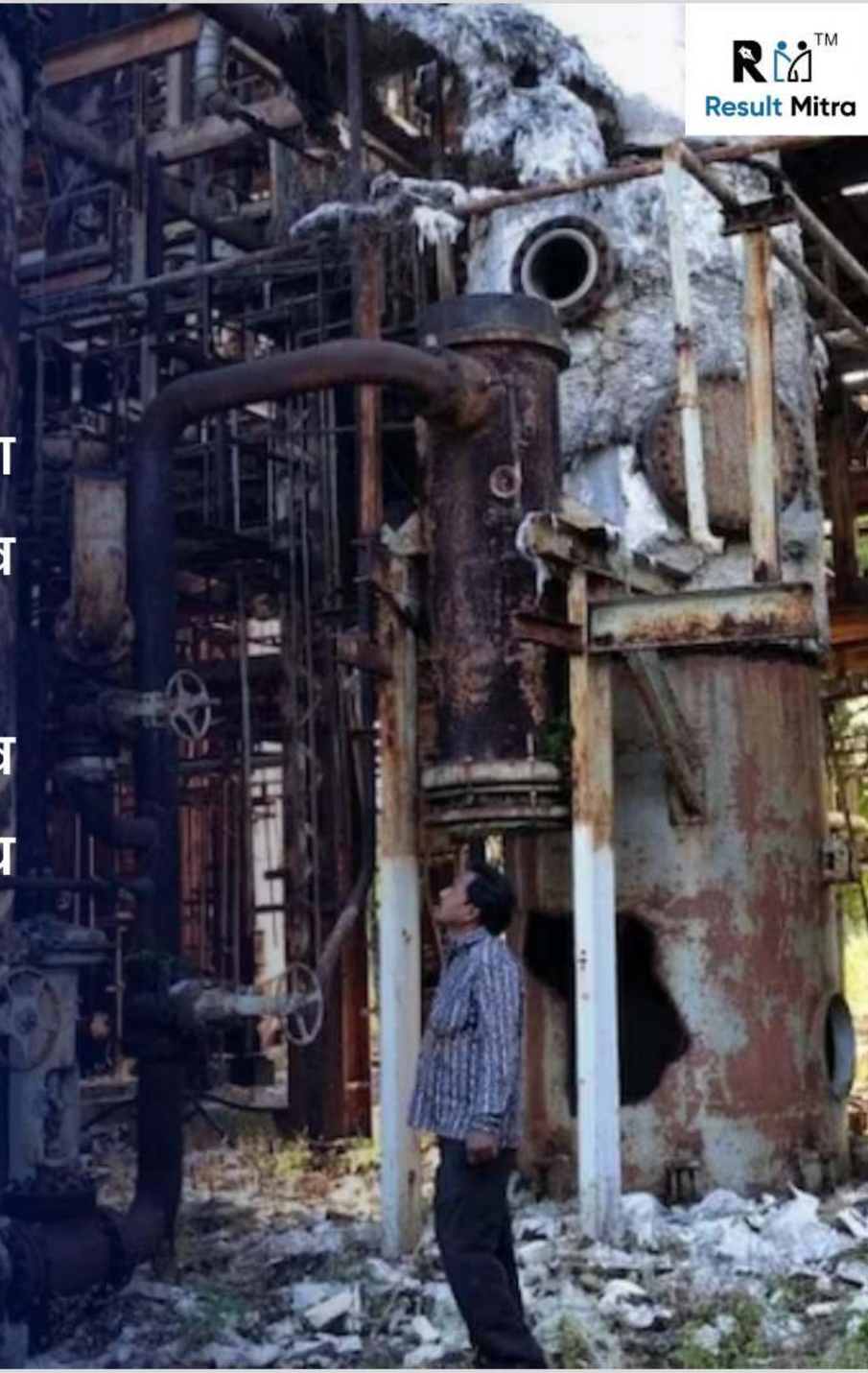

Result Mitra

भोपाल गैस त्रासदी क्या थी ?

मिथाइल आइसोसाइनेट का रिसाव कैसे हुआ

- हालांकि, तब तक टैंक में रासायनिक प्रतिक्रिया गंभीर अवस्था में पहुंच गई थी। करीब 30 टन एमआईसी टैंक से एक घंटे के अंदर वायुमंडल में निकल गया। भोपाल के अधिकांश निवासियों को गैस के संपर्क में आने से गैस रिसाव के बारे में पता चला था।

Result Mitra

भोपाल गैस त्रासदी क्या थी ?

मिथाइल आइसोसाइनेट रिसाव का प्रभाव

- डॉक्टरों को घटना के उचित उपचार विधियों के बारे में पता नहीं था। मिथाइल आइसोसाइनेट गैस रिसाव ने 15,000 से अधिक लोगों की जान ले ली और 600,000 से अधिक श्रमिकों को प्रभावित किया। मृत जन्म दर और नवजात मृत्यु दर में क्रमशः 300% और 200% तक की वृद्धि हुई।

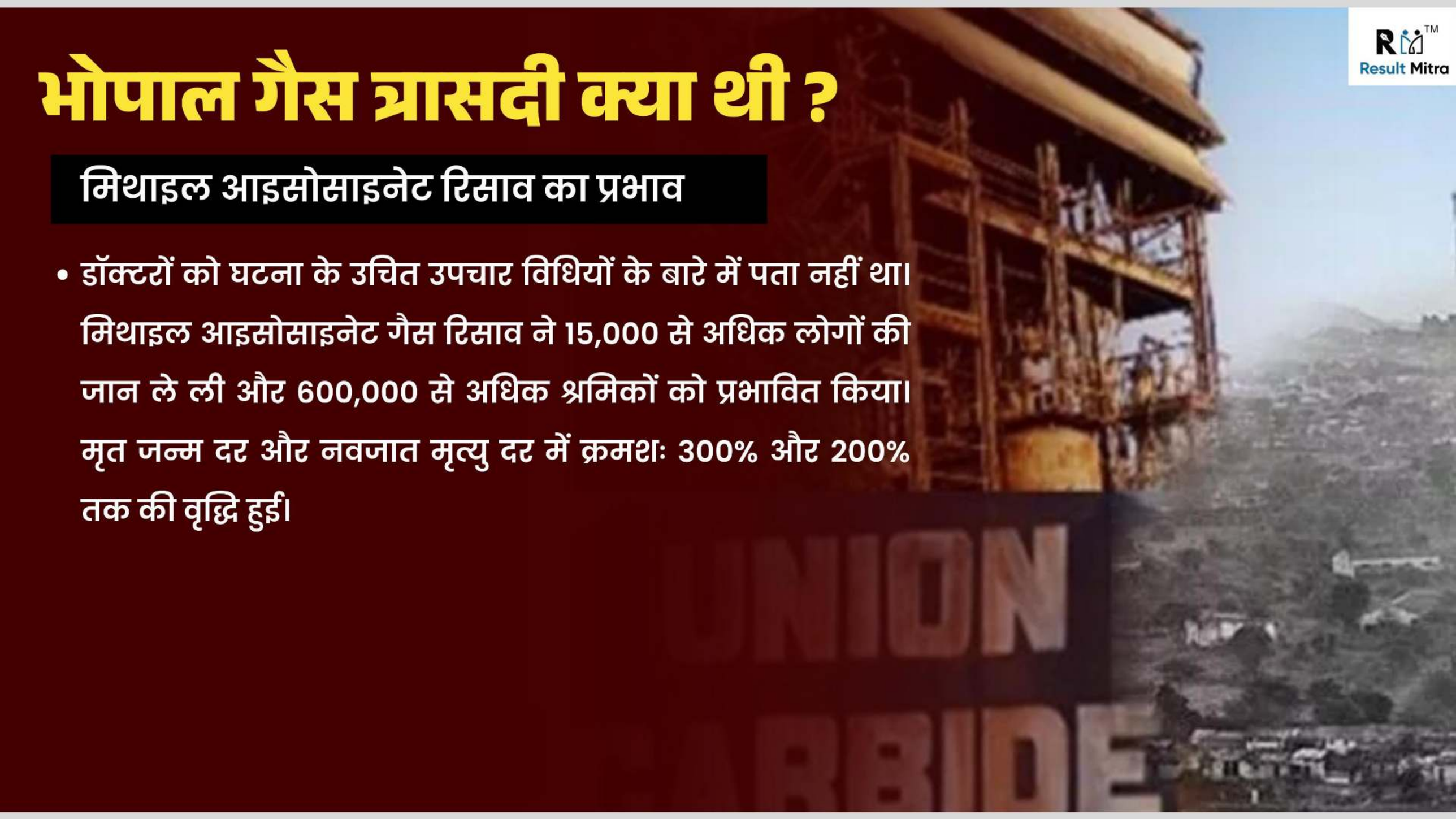

Result Mitra

भोपाल गैस त्रासदी क्या थी ?

मिथाइल आइसोसाइनेट रिसाव का प्रभाव

- गैस रिसाव का असर पेड़ों और जानवरों पर भी पड़ता है। कुछ ही दिनों में आसपास के इलाके के पेड़ बंजर हो गए। फूले हुए जानवरों के शवों का निपटान करना पड़ा। लोग उल्टी करते हुए सड़कों पर दौड़ते रहे। शहर में श्मशान घाट खत्म हो गए।

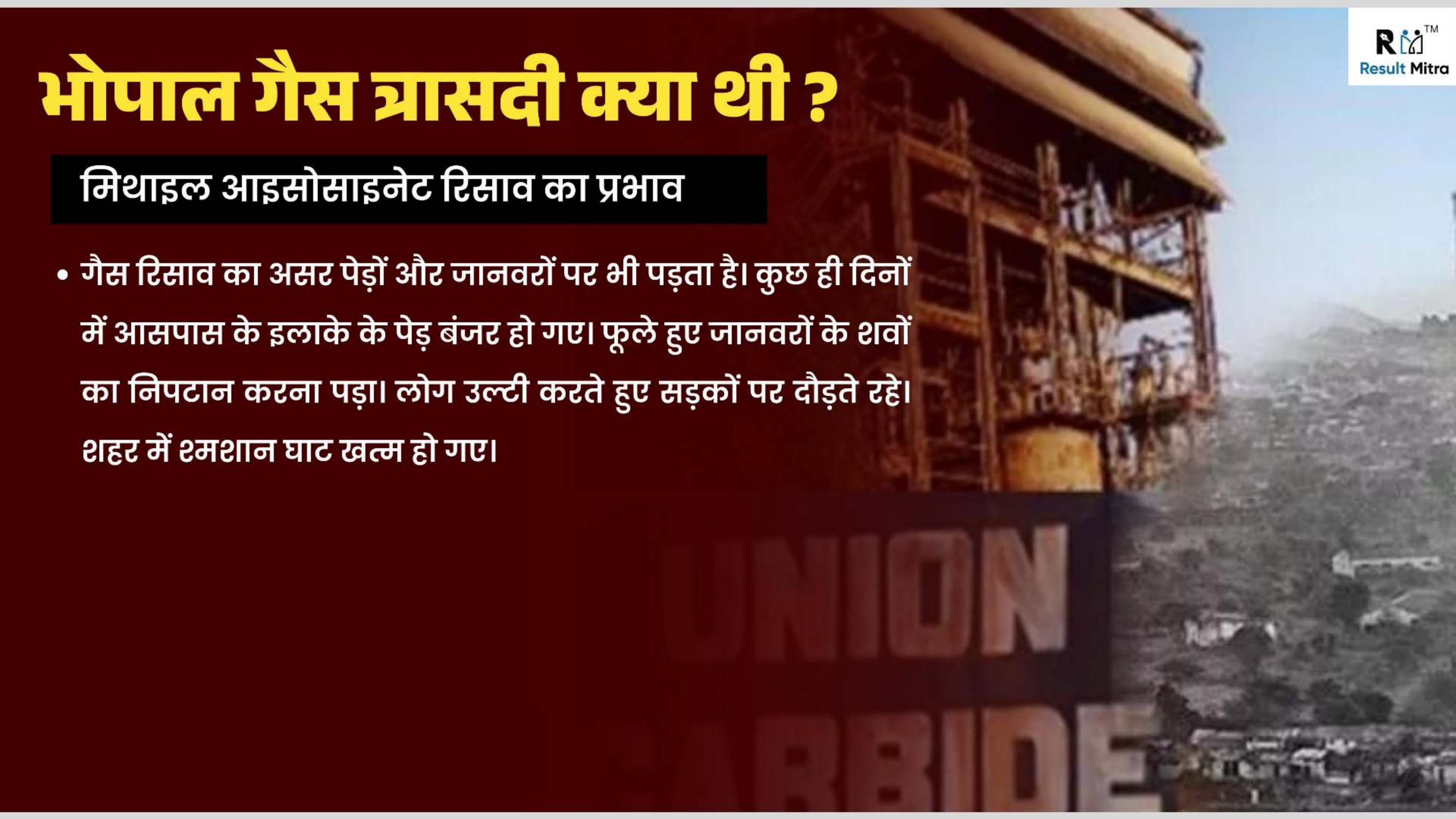

Result Mitra

भोपाल गैस त्रासदी क्या थी ?

भोपाल त्रासदी पर सरकार की प्रतिक्रिया

- तब तक, भारत सरकार ने इस तरह की आपदा से कभी नहीं निपटा था। भारत, यूसीसी और अमेरिका के बीच कानूनी कार्यवाही तबाही के ठीक बाद शुरू हुई।
- सरकार ने मार्च 1985 में भोपाल गैस रिसाव अधिनियम पारित किया, जिसने इसे पीड़ितों के लिए कानूनी प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने की अनुमति दी। जबकि यूसीसी ने शुरू में भारत को $ 5 मिलियन राहत कोष की पेशकश की थी, सरकार ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया और 3.3 बिलियन डॉलर की मांग की।

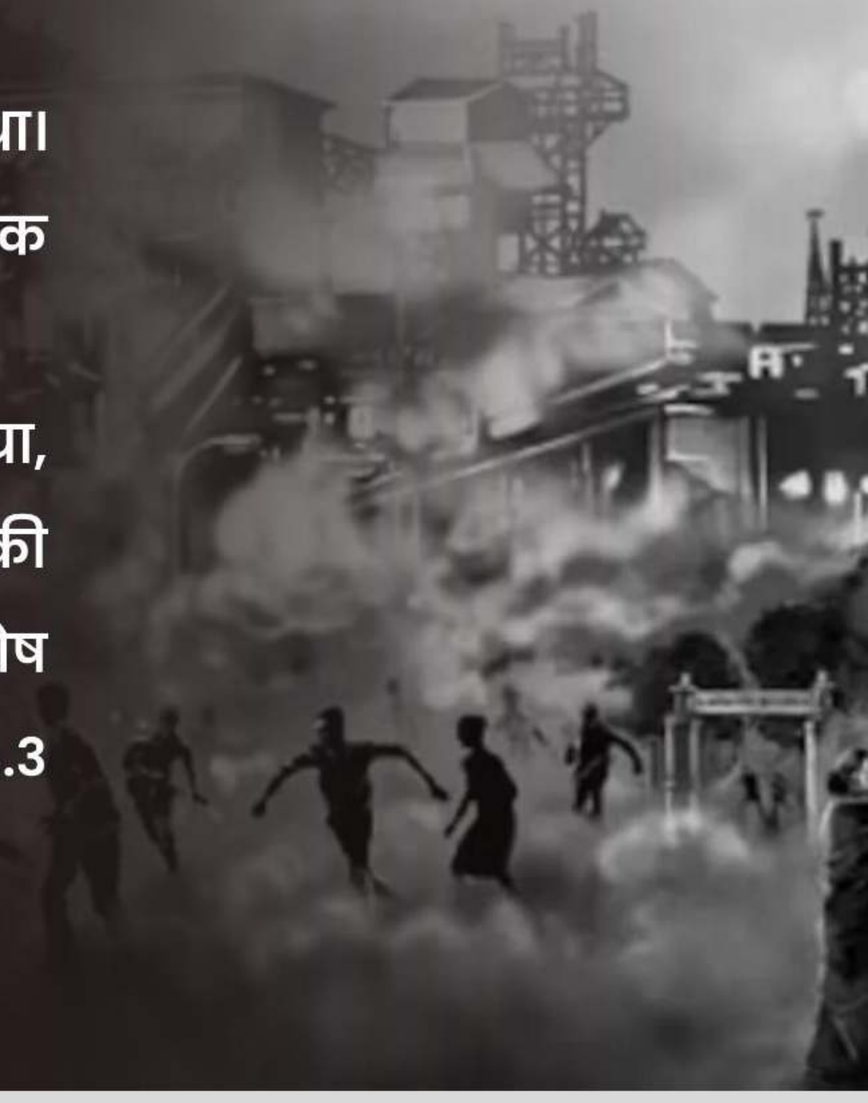

भोपाल गैस त्रासदी क्या थी ?

भोपाल त्रासदी पर सरकार की प्रतिक्रिया

- आखिरकार, फरवरी 1989 में अदालत के बाहर समझौता हुआ, यूनियन कार्बाइड नुकसान के लिए $ 470 मिलियन का भुगतान करने के लिए सहमत हो गया।
- भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने पैसे के लिए दिशानिर्देश भी निर्धारित किए- मृतकों के परिवार को 100,000-300,000 रुपये दिए जाने थे। इसके अलावा पूरी तरह या आंशिक रूप से शारीरिक रूप से अक्षम लोगों को 50,000 से 500,000 रुपये और अस्थायी रूप से घायल लोगों को 25,000 से 100,000 रुपये तक का जुर्माना लगाया जाएगा।

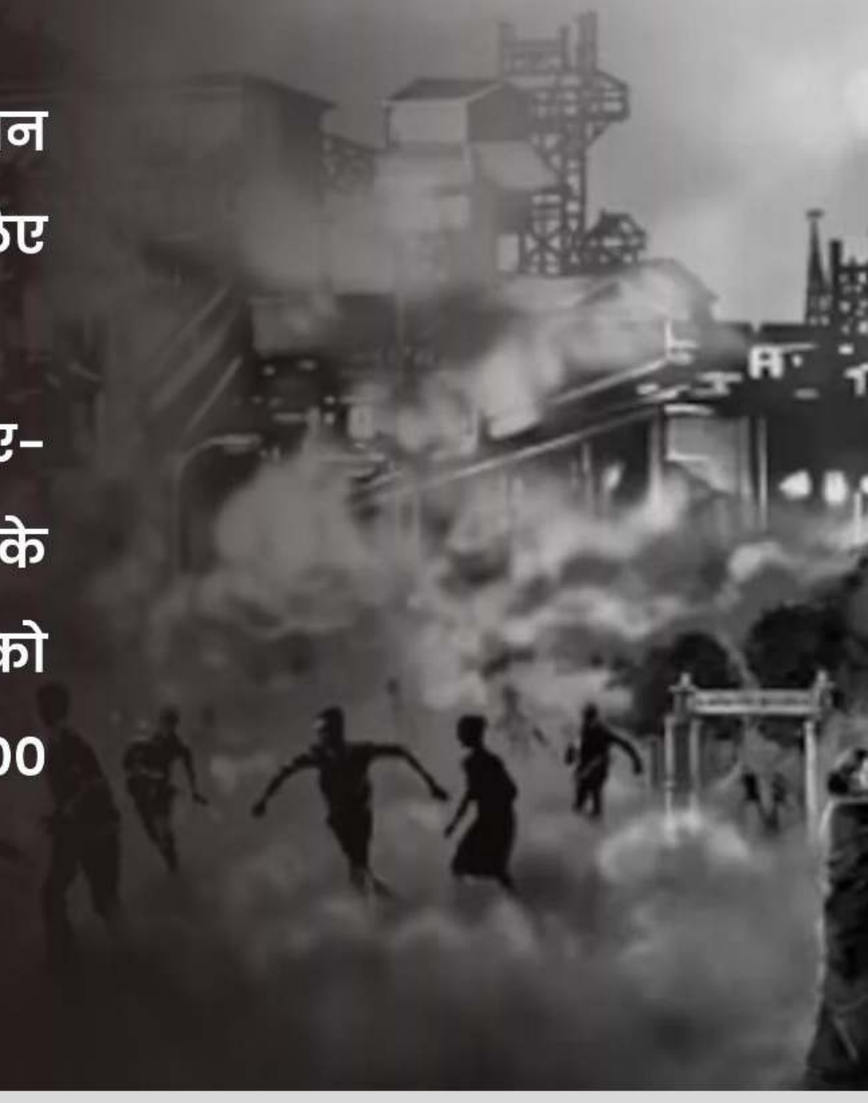

भोपाल गैस त्रासदी क्या थी ?

भोपाल त्रासदी पर सरकार की प्रतिक्रिया

- शीर्ष अदालत ने यूसीआईएल से कहा कि वह भोपाल में त्रासदी के पीड़ितों के इलाज के लिए एक अस्पताल को 'स्वेच्छा' से धन मुहैया कराए।
- जून, 2010 में यूरेनियम कारपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के सात पूर्व कर्मचारियों, जो सभी भारतीय राष्ट्रिक थे, को लापरवाही के कारण मौत का दोषी पाया गया था और दो वर्ष के कारावास की सजा दी गई थी। हालांकि बाद में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया।

भोपाल गैस त्रासदी क्या थी ?

त्रासदी के तीन दशक बाद भोपाल

- जब भारत और अमेरिका में कानूनी लड़ाई चल रही थी, डाउ केमिकल कंपनी ने 2001 में यूसीसी को सफलतापूर्वक अपने अधिकार में ले लिया, जिसके बाद यह पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी बन गई। इसके बाद, डाउ ने दावा किया कि यूसीसी की त्रासदी के प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं थी, क्योंकि यह कानूनी रूप से नए स्वामित्व वाली एक नई कंपनी थी।

Result Mitra

भोपाल गैस त्रासदी क्या थी ?

त्रासदी के तीन दशक बाद भोपाल

- इंग्रिड एकरमैन ने अपनी पुस्तक – द भोपाल सागा में याद किया है कि एक पीड़ित ने उनसे क्या कहा था, "मृत्यु एक बड़ी राहत होती। उत्तरजीवी होना और भी बुरा है।
- तीस साल बाद, मामले में कोई समापन नहीं हुआ है। भोपाल गैस त्रासदी के हजारों पीड़ितों को स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

Result Mitra

भोपाल गैस त्रासदी क्या थी ?

त्रासदी के तीन दशक बाद भोपाल

- फैक्ट्री बंद होने के बाद जो कुछ भी अंदर रह गया था उसे सील कर वहीं रख दिया गया। गैस पीड़ितों के कल्याण संगठन वर्षों से इसे हटाने की मांग कर रहे हैं। संयंत्र के जहरीले अवशेषों को हटाने के लिए उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में कई याचिकाएं लंबित हैं।

Result Mitra

मिथाइल आइसोसाइनेट (एमआईसी) क्या है?

- मिथाइल आइसोसाइनेट एक रंगहीन तरल है जिसका उपयोग कीटनाशक बनाने के लिए किया जाता है। ठीक से बनाए रखने पर एमआईसी सुरक्षित है।
- रसायन गर्मी के लिए अत्यधिक प्रतिक्रियाशील है। पानी के संपर्क में आने पर, एमआईसी में यौगिक एक दूसरे के साथ प्रतिक्रिया करते हैं जिससे गर्मी की प्रतिक्रिया होती है।

मिथाइल आइसोसाइनेट (एमआईसी) क्या है?

- मिथाइल आइसोसाइनेट अब उत्पादन में नहीं है, हालांकि यह अभी भी कीटनाशकों में उपयोग किया जाता है। इंस्टीट्यूट में बायर क्रॉपसाइंस प्लांट, वेस्ट वर्जीनिया वर्तमान में दुनिया भर में एमआईसी का एकमात्र भंडारण स्थान बचा है।

मिथाइल आइसोसाइनेट रासायनिक प्रतिक्रिया का स्वास्थ्य पर प्रभाव

- तत्काल स्वास्थ्य प्रभावों में अल्सर, फोटोफोबिया, श्वसन संबंधी समस्याएं, एनोरेक्सिया, लगातार पेट दर्द, आनुवंशिक समस्या, न्यूरोसिस, बिगड़ा हुआ ऑडियो और विजुअल मेमोरी, बिगड़ा हुआ तर्क क्षमता और बहुत कुछ शामिल हैं।
- दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभावों मे क्रोनिक नेत्रश्लेष्मलाशोथ, फेफड़ों के कार्य में कमी, गर्भावस्था के नुकसान में वृद्धि, शिशु मृत्यु दर में वृद्धि, गुणसूत्र असामान्यताएं में वृद्धि, बिगड़ा हुआ सहयोगी सीखना और बहुत कुछ शामिल हैं।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. मिथाइल आइसोसाइनेट (एमआईसी) एक रंगहीन और अत्यधिक प्रतिक्रियाशील रसायन है जिसका उपयोग कीटनाशक बनाने में किया जाता है।

2. भोपाल गैस त्रासदी के बाद यूनियन कार्बाइड संयंत्र के अंदर बचे हुए जहरीले कचरे को हटाने और निपटाने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है।

3. भोपाल गैस त्रासदी दुनिया की सबसे भीषण औद्योगिक आपदाओं में से एक मानी जाती है।

4. भारत सरकार ने 1985 में भोपाल गैस रिसाव अधिनियम पारित कर पीड़ितों के लिए कानूनी प्रतिनिधि के रूप में कार्य करने की अनुमति ली।

कूट:

(A) केवल 1, 3 और 4

(B) केवल 1 और 3

(C) केवल 2 और 4

(D) उपरोक्त सभी

गुरु गोविंद सिंह जी की 356वीं जयंती और सिख धर्म

(1666-1708)

गुरु गोविंद सिंह जी की 356वीं जयंती और सिख धर्म

Result Mitra

- 6 जनवरी 2025 को, सिख धर्म के दसवें गुरु, श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की 356वीं जयंती पूरे देश में प्रकाश पर्व के रूप में मनाई गयी।

गुरु गोविंद सिंह जी की 356वीं जयंती और सिख धर्म

Result Mitra

गुरु गोबिंद सिंह जी का जीवन परिचय:

- गुरु गोबिंद सिंह जी का जन्म 22 दिसंबर 1666 को पटना साहिब, बिहार में हुआ था। वे सिख धर्म के दसवें और अंतिम मानव गुरु थे। उन्होंने 1699 में खालसा पंथ की स्थापना की, जो सिख धर्म में एक महत्वपूर्ण घटना है।
- गुरु गोबिंद सिंह जी ने सिख समुदाय को आत्मरक्षा और न्याय के लिए संगठित किया और उन्हें आध्यात्मिकता के साथ-साथ सैन्य कौशल का भी मार्गदर्शन दिया।

गुरु गोविंद सिंह जी की 356वीं जयंती और सिख धर्म

Result Mitra

सिख धर्म:

- सिख धर्म की स्थापना 15वीं सदी में गुरु नानक देव जी द्वारा पंजाब क्षेत्र में की गई थी। यह धर्म एकेश्वरवाद, मानवता की सेवा, और सभी मनुष्यों की समानता के सिद्धांतों पर आधारित है।
- सिख अपने पंथ को 'गुरुमत' (गुरु का मार्ग) कहते हैं। सिख परंपरा के अनुसार, सिख धर्म की स्थापना गुरु नानक (1469-1539) द्वारा की गई थी और बाद में नौ अन्य गुरुओं ने इसका नेतृत्व किया।

गुरु गोविंद सिंह जी की 356वीं जयंती और सिख धर्म

सिख धर्म:

- सिख मानते हैं कि सभी 10 मानव गुरुओं में एक ही आत्मा का वास था। 10वें गुरु गोबिंद सिंह (1666-1708) की मृत्यु के बाद अनंत गुरु की आत्मा ने स्वयं को सिख धर्म के पवित्र ग्रंथ गुरु ग्रंथ साहिब (जिसे आदि ग्रंथ भी कहा जाता है) में स्थानांतरित कर लिया और इसके उपरांत गुरु ग्रंथ साहिब को ही एकमात्र गुरु माना गया।

गुरु गोविंद सिंह जी की 356वीं जयंती और सिख धर्म

Result Mitra

सिख धर्म:

- गुरु गोबिंद सिंह जी की जयंती के अवसर पर, देशभर में गुरुद्वारों में कीर्तन, अरदास, और लंगर का आयोजन किया जाता है। सिख समुदाय के लोग इस दिन को श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाते हैं, गुरु जी की शिक्षाओं को याद करते हैं, और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हैं।
- इस पावन अवसर पर, हम सभी को गुरु गोबिंद सिंह जी की शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर मानवता की सेवा, सत्यनिष्ठा, और न्याय के मार्ग पर चलने का प्रयास करना चाहिए।

गुरु गोविंद सिंह जी की 356वीं जयंती और सिख धर्म

Result Mitra

देश-धर्म के लिए श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी का महान बलिदान

- इतिहास पुरुष कभी भी राजसत्ता प्राप्ति, जमीन-जायदाद, धन सम्पदा या यश प्राप्ति के लिए लड़ाईयां नहीं लड़ते। श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी ऐसे इतिहास पुरुष थे, जिन्होनें ताउम्र अन्याय, अधर्म, अत्याचार और दमन के खिलाफ तलवार उठाई और लड़ाईयां लड़ी। गुरु जी की तीन पीढ़ियों ने देश धर्म की रक्षा के लिए महान बलिदान दिया।

गुरु गोविंद सिंह जी की 356वीं जयंती और सिख धर्म

Result Mitra

देश-धर्म के लिए श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी का महान बलिदान

- आज देश अपनी स्वतंत्रता की 75वी वर्षगांठ "आजादी के अमृत महोत्सव" के रूप में मना रहा है, ऐसे में पूरे देश में स्वतंत्रता सेनानियों, शहीदों, बलिदानियों को याद किया जा रहा है।
- सिखों के दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी को उनकी जयंती पर नमन कर प्रत्येक भारतवासी गर्व महसूस कर रहा है।

गुरु गोविंद सिंह जी की 356वीं जयंती और सिख धर्म

Result Mitra

देश-धर्म के लिए श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी का महान बलिदान

- गुरु गोबिन्द सिंह सिक्खों के दसवें गुरु थे। वे एक महान दार्शनिक, प्रख्यात कवि, निडर एवं निर्भीक योद्धा, युद्ध कौशल, महान लेखक और संगीत के पारखी भी थे। उनका जन्म 1666 में पटना में हुआ। वे नौवें सिख गुरु, श्री गुरु तेग बहादुर और माता गुजरी के इकलौते बेटे थे, जिनका बचपन का नाम गोबिंद राय था।

गुरु गोविंद सिंह जी की 356वीं जयंती और सिख धर्म

Result Mitra

देश-धर्म के लिए श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी का महान बलिदान

- सन् 1699 ई0 में बैसाखी के दिन गुरु गोबिंद सिंह ने खालसा पंथ की स्थापना कर पांच व्यक्तियों को अमृत चखा का 'पांच प्यारे' बना दिए। इन पांच प्यारों में सभी वर्गों के व्यक्ति थे। इस प्रकार से उन्होंने जात-पात मिटाने के उद्देश्य से अमृत चखाया । बाद में उन्होंने स्वयं भी अमृत चखा और गोबिंद राय से गोबिंद सिंह बन गए।

गुरु गोविंद सिंह जी की 356वीं जयंती और सिख धर्म

Result Mitra

देश-धर्म के लिए श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी का महान बलिदान

- गुरु गोबिंद सिंह ने एक खालसा वाणी "वाहे गुरुजी का खालसा, वाहे गुरुजी की फतेह" स्थापित की। साथ ही उन्होंने आदर्शात्मक जीवन जीने और स्वयं पर नियंत्रण के लिए खालसा के पांच मूल सिद्धांतों की भी स्थापना की। जिनमें केस, कंघा, कड़ा, कछ, किरपाण शामिल है। ये सिद्धान्त चरित्रनिर्माण के मार्ग थे।
- उनका मानना था कि व्यक्ति चरित्रवान होकर ही विपरित परिस्थितियों व अत्याचारों के खिलाफ लड़ सकता है।

गुरु गोविंद सिंह जी की 356वीं जयंती और सिख धर्म

Result Mitra

देश-धर्म के लिए श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी का महान बलिदान

- गुरु गोबिन्द सिंह जी की वीरता और लोकप्रियता से आस पास के पहाड़ी राजा द्वेष करने लगे यहां तक बिलासपुर के राजा भीमचन्द सहित गढ़वाल, कांगड़ा के राजाओं ने मुगलशासक औरंगजेब के पास जाकर गुरु गोबिंद सिंह के खिलाफ लड़ने के लिए सैनिक सहायता मांगी और कहा कि इसके बदले में वे वार्षिक लगान देंगें।

गुरु गोविंद सिंह जी की 356वीं जयंती और सिख धर्म

देश-धर्म के लिए श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी का महान बलिदान

- भीम चंद की माता चम्पादेवी ने गुरु गोबिंद सिंह के खिलाफ युद्ध का विरोध किया और कहा कि गुरु गोबिंद सिंह एक महान संत है, उनके साथ युद्ध नहीं बल्कि उनको घर बुला कर सम्मान देना चाहिए।

गुरु गोविंद सिंह जी की 356वीं जयंती और सिख धर्म

Result Mitra

देश-धर्म के लिए श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी का महान बलिदान

- इसी प्रकार जब औरंगजेब की सेना का जनरल सैयद खान युद्ध के लिए आनंदपुर साहिब जाने लगा तो रास्ते में साधुरा नामक स्थान पर उनकी बहन नसरीना से मिले।
- उनकी बहन ने सैयद खान को गुरु गोबिन्द सिंह के खिलाफ युद्ध करने से रोका और कहा कि वे पहले से ही गुरु जी की अनुयायी हैं और गुरु गोबिंद सिंह एक धार्मिक व आध्यात्मिक संत हैं। यहां तक कि उन्होंने पहले से ही सैयद खान की हार की भविष्यवाणी कर दी थी।

गुरु गोविंद सिंह जी की 356वीं जयंती और सिख धर्म

Result Mitra

देश-धर्म के लिए श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी का महान बलिदान

- नसरीना खान ने अपने पति व बेटों को गुरु गोबिन्द सिंह की सेना में भर्ती करवा दिया था। सैयद खान युद्ध के लिए निकल पड़ा। युद्ध के मैदान में नीले घोड़े पर सवार श्री गुरु गोबिन्द सिंह जब मुगल सैनिकों को मौत के घाट उतार रहे थे तो सैयद खान गुरु जी के सामने आया तब गुरु जी स्वयं घोड़े से उतरे और वे सैयद खान को मारने के लिए तैयार नहीं हुए।
- सैयद खान गुरु जी की आभा और तेज से प्रभावित हुआ और युद्ध मैदान छोड़कर योग, ध्यान व शान्ति प्राप्ति के लिए पर्वतों में चला गया।

गुरु गोविंद सिंह जी की 356वीं जयंती और सिख धर्म

Result Mitra

देश-धर्म के लिए श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी का महान बलिदान

- गुरु गोबिंद सिंह जी के चार पूत्र थे, जिनका नाम साहिबजादे अजीत सिंह, साहिबजादे जुझार सिंह, साहिबजादे फतेह सिंह, साहिबजादे जोरावर सिंह था। उन्होंने अपने चारों पुत्र धर्म की रक्षा के लिए कुर्बान किए। मुगल शासक द्वारा दो पुत्र जोरावर सिंह और फतेह सिंह को सरहिंद में दीवार में चुनवा दिया गया ।

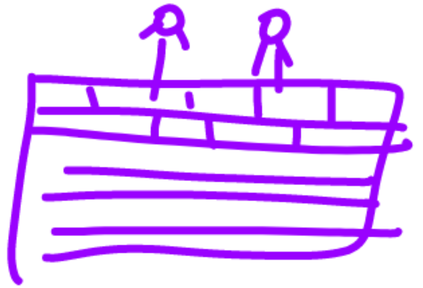

गुरु गोविंद सिंह जी की 356वीं जयंती और सिख धर्म

Result Mitra

देश-धर्म के लिए श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी का महान बलिदान

- दो पुत्र अजीत सिंह और जुझार सिंह युद्ध में वीरगति को प्राप्त हुए। गुरु गोबिंद सिंह ने अपने पुत्रों की शहादत में कहा था-

  "सब पुत्रन के कारण वार दिए सुत चार,
  चार मुए तो क्या हुआ, जीवित कई हज़ार"

गुरु गोविंद सिंह जी की 356वीं जयंती और सिख धर्म

Result Mitra

देश-धर्म के लिए श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी का महान बलिदान

- गुरु गोबिंद सिंह जी ने अपने जीवन में आनंदपुर, भंगानी, नंदौन, गुलेर, निर्मोहगढ, बसोली, चमकोर, सरसा व मुक्तसर सहित 14 युद्ध किए। इन जंगों में पहाड़ी राजाओं एवं मुगल सूबेदारों ने हर बार मुंह की खाई।
- गुरु गोबिन्द सिंह ने कभी स्वार्थ व निजहित के लिए लड़ाई नहीं लड़ी बल्कि उन्होंने उत्पीड़न व अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी। इस कारण से हिन्दु व मुस्लिम धर्मों के लोग उनके अनुयायी थे।

गुरु गोविंद सिंह जी की 356वीं जयंती और सिख धर्म

Result Mitra

देश-धर्म के लिए श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी का महान बलिदान

- सितम्बर 1708 में गुरु जी दक्षिण में नांदेड़ चले गए और बैरागी लक्ष्मण दास को अमृत छका और युद्व कौशल से पारंगत कर बंदा सिंह बहादुर बनाया और उन्हें खालसा सेना का कमाण्डर बनाकर संघर्ष के लिए पंजाब भेज दिया। पंजाब पहुंच कर बन्दा सिंह बहादुर ने चप्पा चीड़ी की जंग जीती।

गुरु गोविंद सिंह जी की 356वीं जयंती और सिख धर्म

Result Mitra

देश-धर्म के लिए श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी का महान बलिदान

- अक्तूबर 1708 में महाराष्ट्र के नांदेड़ साहिब में गुरु गोबिंद सिंह जी ने अपनी आखिरी सांस ली। इस प्रकार से पहले पिता गुरु तेग बहादुर सिंह, फिर चारों पुत्रों ने और बाद में श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी ने स्वयं बलिदान देकर धर्म की रक्षा की।

गुरु गोविंद सिंह जी की 356वीं जयंती और सिख धर्म

देश-धर्म के लिए श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी का महान बलिदान

- स्वामी विवेकानंद जी ने गुरु गोबिंद सिंह जी को एक महान दार्शनिक, संत, आत्मबलिदानी, तपस्वी और स्वानुशासित बताकर उनकी बहादुरी की प्रशंसा की थी।

गुरु गोविंद सिंह जी की 356वीं जयंती और सिख धर्म

देश-धर्म के लिए श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी का महान बलिदान

- स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था मुगल काल में जब हिन्दु और मुस्लिम दोनों ही धर्मों के लोगों का उत्पीड़न हो रहा था तब श्री गुरु गोबिंद जी ने अन्याय, अधर्म और अत्याचारों के खिलाफ और उत्पीड़ित जनता की भलाई के लिए बलिदान दिया था जो एक महान बलिदान है। इस प्रकार से गुरु गोबिंद सिंह जी महानों में महान थे।

गुरु गोविंद सिंह जी की 356वीं जयंती और सिख धर्म

Result Mitra

देश-धर्म के लिए श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी का महान बलिदान

- गीता में कहा है कि "कर्म करो, फल की चिन्ता न करो"। ठीक इसी प्रकार गुरु गोबिंद सिंह जी ने कहा है 'देह शिवा बर मोहे इहै, शुभ करमन ते कबहूं न टरूं' यानि हम अच्छे कर्मो से कभी पीछे न हटें, परिणाम भले चाहे जो हो।

गुरु गोविंद सिंह जी की 356वीं जयंती और सिख धर्म

Result Mitra

देश-धर्म के लिए श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी का महान बलिदान

- उनके इन विचारों व वाणियों से पता चलता है कि गुरु गोबिंद सिंह जी ने कर्म, सिद्धान्त, समभाव, समानता, निडरता, स्वतंत्रता का संदेश देकर समाज को एक सूत्र में पिरोने का काम किया। उन्होंने कभी भी मानवीय व नैतिक मूल्यों से समझौता नहीं किया। आज फिर जरूरत है कि उनके बताए मार्ग पर चल हम सभी धर्म, समाज व भाईचारे को मजबूत कर एक भारत-श्रेष्ठ भारत के लिए कार्य करें।

CURRENT AFFAIRS QUIZ

Result Mitra

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना 1699 में बैसाखी के दिन की थी।
2. गुरु गोबिंद सिंह जी ने अपने जीवनकाल में गुरु ग्रंथ साहिब को सिख धर्म का अंतिम और शाश्वत गुरु घोषित किया।
3. गुरु गोबिंद सिंह जी के चारों पुत्र धर्म की रक्षा के लिए वीरगति को प्राप्त हुए।

उपरोक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 2 और 3

(C) केवल 1 और 3

(D) 1, 2 और 3

Thank You

- Current Affairs
-> Polity - घटना चक्र

8:30

10-15

Result Mitra